Regarding the issue of Bangladeshi intruders and alleged religious conversion

डॉ. निशिकांत दुबे **(**गोड्डा**):** सभापति महोदय, मैं वर्ष 2009 में पहली यहां पर सांसद बन कर आया था और इस 15 वें साल में मुझे लगता है कि 100 वीं बार यह मुद्दा मैं इस लोक सभा में उठा रहा हूँ। यहां पर देश में अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों की बात होती है और मेरे झारखण्ड राज्य को एक आदिवासी बाहुल्य राज्य के तौर पर बिहार से अलग किया गया था।

सभापति महोदय, स्थितियां ये हैं कि सन् 1951 में झारखण्ड के आदिवासियों की आबादी 36 पर्सेंट थी और आज जब मैं सांसद होने के 15 सालों बाद यह बोल रहा हूँ तो आज मेरे राज्य में आदिवासियों की आबादी केवल और केवल 24 पर्सेंट है। यह केवल इस सदन को नहीं, पूरे देश के लिए सोचने और समझने वाली बात है कि हम आदिवासी कल्याण की बात कर रहे है लेकिन आदिवासियों की संख्या सन् 1951 से ले कर आज तक घटती ही गई है, जबकि सभी की जनसंख्या बढ़ रही है। हमारे देश की जनसंख्या 140 करोड़ हो गई है। जब भारत आज़ाद हुआ था, तब 33 करोड़ की आबादी थी। आज 140 करोड़ आबादी हो गई, लेकिन मेरे राज्य में आदिवासियों की संख्या 36 से 24 पर्सेंट हो गई है। उसका नतीजा यह हुआ कि पूरे देश में डीलिमिटेशन है। अभी जम्मू-कश्मीर ऑर्गेनाइज़ेशन बिल पर डिस्कशन चल रहा है। असम तक में डीलिमिटेशन हो गया है, लेकिन झारखण्ड ही एक ऐसा दुर्भाग्यपूर्ण राज्य है, जहां कि वर्ष 2008 में डीलिमिटशन नहीं हुआ और उसका कारण यह है कि यदि डीलिमिटेशन हो जाएगा तो लोक सभा की अनुसूचित जातियों की सीटों में से एक सीट और विधान सभा की 3 सीटें घट जाएंगी। किसी भी आधार पर आदिवासियों के खिलाफ अन्याय नहीं होना चाहिए, इस कारण से पूरे देश में झारखण्ड ही ऐसा राज्य है, जिसने नहीं होने दिया।

आज स्थितियां ये हैं कि बांग्लादेश के घुसपैठिए आते हैं, आदिवासियों के साथ शादी करते हैं और जो मुसलमान की जनसंख्या है, खास कर झारखण्ड के कुछ जिले हैं ? गोड्डा, साहबगंज, पाकुड़, जामताड़ा और जहां से मैं सांसद हूँ ? देवघर, उन सभी जिलों में लगातार मुसलमानों की जनसंख्या बढ़ रही है और आदिवासी महिलाओं की ज़मीनों के चक्कर में बांग्लादेशी घुसपैठिए उनसे शादी कर रहे हैं। यह हिंदू और मुसलमान का सवाल नहीं है और जो काकोली घोष जी बता रही थीं।? (व्यवधान) मैं संयोग से वर्ष 2004, 2005, 2006 में दिया गया ममता जी का ही स्टेटमेंट इस पार्लियामेंट में ले कर आया हूँ। ? (व्यवधान) जब वे सांसद थीं तब उन्होंने कम से कम 10 बार कहा था कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण पूरे बंगाल की डेमोग्राफी बदल रही है। ? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** आप लोग बैठ जाइए। माननीय सदस्य को बोलने दीजिए।

? (व्यवधान)

डॉ. निशिकांत दुबे **:** कोई इतिहास को गलत नहीं कह सकता है। ? (व्यवधान) लेकिन वे जब से मुख्य मंत्री बनी हैं, तब से पूरे मालदा, मुर्शीदाबाद, कालियाचक में केवल बांग्लादेशी घुसपैठिए बढ़े हुए हैं।

यही हाल बिहार का है। कटिहार, किशनगंज, अररिया, पूर्णिया और भागलपुर सहित इन सभी जगहों में जो आदिवासी और जनरल पब्लिक हैं, बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण वहां की पूरी डेमोग्राफी बदल गई है।? (व्यवधान)

मेरा आपके माध्यम से आग्रह है कि यह केवल झारखंड के आदिवासियों का विषय नहीं है, बल्कि बंगाल का भी विषय है और बिहार का भी विषय है। भारत सरकार से मेरा आग्रह है कि एनआरसी लागू कीजिए, सारे बांग्लादेशियों को यहां से बाहर कीजिए और कम से कम झारखंड के आदिवासियों को बचाइए।

महोदय, आपने मुझे समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। इन्हीं शब्दों के साथ जय हिन्द जय भारत।